आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 13.04.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।
- आज बैसाखी के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा–यह त्यौहार एकजुटता और नए पन की भावना पैदा करता है।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर की एक सौ चौंतीसवीं जयंती के अवसर पर कल श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा।

और

- आयुष विभाग की ओर से विश्व होमियोपैथी दिवस के माहव्यापी कार्यक्रम का समापन समारोह।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने कहा कि जलियांवाला बाग में भारत माता के लिए मर मिटने वाले सभी स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान से हमारे स्वाधीनता संग्राम की धारा और प्रबल हो गई थी। कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अत्याचार के विरूद्ध तेरह अप्रैल, उन्नीस सौ उन्नीस को जलियांवाला बाग हत्याकांड में शहीद हुए वीरों का बलिदान अतुलनीय है और हमारे स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अंकित है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा – आने वाली पीढ़ियां शहीदों के अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी। उन्होंने इस घटना को भारत के इतिहास का एक काला अध्याय बताया।

<><><><><><><><>

पूरे देश के साथ–साथ द्वीपसमूह में भी बैशाखी का त्यौहार पूरे धूम–धाम के साथ मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि ये जीवंत त्यौहार लोगों को राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये जीवंत फसल उत्सव भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और कृषि भावना को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये

त्योहार सभी के जीवन में नई उम्मीद, खुशी और समृद्धि लेकर आते है। श्री मोदी ने कहा कि यह त्यौहार एकजुटता, कृतज्ञता और नएपन की भावना पैदा करता है।

<><><><><><><>

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवाओं से अपील की है कि वे विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए, डां भीमराव आंबेडकर के समानता, न्याय और भाईचारे के सिद्धांतों से प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को भारतीय संविधान की भावना का सम्मान और अनुपालन करना चाहिए। देश के युवा इस संविधान के रास्ते पर आगे बढ़ के संविधान का सम्मान करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करें। इस दिशा में आज का अवसर एक प्रेरणा का अवसर है। डां मांडविया ने युवाओं से अपील की कि वे पंच प्रण का पालन करें, जिनका उदघोष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से किया था।

<><><><><><><>

गुरु की रसोई ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के मार्गदर्शन में ग्लेनीगल्स अस्पताल के सहयोग से, में अपना चौथा सुपर स्पेशलिस्ट मेडिकल कैंप आयोजित किया। जी बी पंत अस्पताल में आयोजित इस शिविर में ग्लेनीगल्स अस्पताल चेन्नई के दो विशेषज्ञ–नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. बलरामन वी, और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. मिनी सुसान अब्राहम शामिल थे। उन्होंने पचहत्तर से अधिक रोगियों को परामर्श और देखभाल प्रदान किया। शिविर का उद्देश्य विशेष चिकित्सा देखभाल प्रदान करना था, जो अक्सर दूरदराज के द्वीपों में रहने वाले लोगों के लिए कठिन होता है। यह आयोजन गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से क्षेत्र के लिए एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण की दिशा में एक और कदम था।

<><><><><><><>

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की एक सौ चौंतीसवीं जयंती के अवसर पर कल एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम कल अम्बेडकर सभागार के मुख्य द्वार के समीप स्थित प्रतिमा पर संपन्न होगा। इस अवसर पर द्वीपसमूह के उपराज्यपाल डॉ. बी. आर. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसी उपलक्ष्य में कल ही शाम साढ़े पांच बजे अम्बेडकर सभागार में बोद्धिसत्व सांस्कृतिक संघ द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर अण्डमान लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण कार्य के उप–मुख्य अभियन्ता डॉ. सत्यमूर्ति मुख्य अतिथि होंगे।

इस बीच, कल सुबह आठ बजे भारत रत्न डॉ. बी. आर अम्बेडकर की जयंती गोलघर स्थित अम्बेडकर भवन में मनाई जाएगी।

<><><><><><><>

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आयुष विभाग की ओर से होमियोपैथी दिवस के माहव्यापी कार्यक्रम का समापन समारोह हाल ही में आयोजित किया गया। टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस समारोह में डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिच समुअल हैनीमन की दो सौ सत्तरवीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव अनिल अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने अपने संबोधन में होमियोपैथी सहित आयुष प्रणालियों की क्षमता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि होमियोपैथी कई स्वास्थ्य स्थितियों के प्रबंधन के लिए प्रभावी है।

समारोह में होमियोपैथी की प्रभावशीलता पर नाटक, कठपुतली–शो और होमियोपैथी के जन–स्वास्थ्य में योगदान पर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. सुजा एन्थनी, पद्मश्री नरेश चन्द्र लाल, आयुष के उप–निदेशक डॉ. कल्याण पी. कठभाने, डॉ. सुप्रिया आरंगी और डॉ. मनाविका दत्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन डॉ. राजीव घोष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

<><><><><><><>

डिगलीपुर के क्षेत्रीय कृषि कार्यालय द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मृदा संरक्षण और मसाला प्रदर्शन फार्म में महिला किसानों के लिए आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में सोलह महिला सदस्यों ने भाग लिया। कृषि विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को कृषि आधारित गतिविधियों के प्रति जागरूक और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि अधिकारी सीना पिल्लई ने किया। इस अवसर पर कृषि सहायक कमरून निसा ने द्वीपों में मसालों की खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी। कृषि सहायक ऋतिक बरोई ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को सफल खेती के बारे में जानकारी दी ।

<><><><><><><>

अड़सठवीं राष्ट्रीय स्कूल फुटबॉल चैम्पिनशिप में भाग लेने के लिए आज द्वीपसमूह की बीस सदस्यीय अंडर–19 बॉयज़ फुटबॉल टीम रवाना हुई। यह चैम्पियनशिप मणिपुर में खेला जा रहा है। इस अवसर पर

नेताजी स्टेडियम में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा निदेशक विक्रम सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है। यह अवसर न केवल खेल भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर द्वीपसमूह के प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान करेगा।

<><><><><><><>